



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 29] नई दिल्ली, बुधवार, फरवरी 23, 1984/फाल्गुन 4, 1905  
No. 29] NEW DELHI, THURSDAY, FEBRUARY 23, 1984/PHALGUNA 4, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

वाणिज्य मंत्रालय

(निर्यात व्यापार नियंत्रण)

सार्वजनिक सूचना सं. 6-ई टी सी (पी एन)/8

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 1984

विषय :—1983-84 वर्ष के लिए रेशम की रव्दी की निर्यात  
नीति ।

सं. 19/2/84/ई.1 :—उपयुक्त विषय पर निर्यात व्यापार  
(नियंत्रण) संशोधन आदेश, सं. ई. (सी.) ओ., 1977 ए.  
एम. (283), दिनांक 23 फरवरी, 1984 की ओर ध्यान दिलाया  
जाता है ।

2. सिल्क नायल और नायल झुपिंग्स को छोड़ कर रेशम  
की रव्दी की सभी किस्मों—चाहे वे श्रृंखलाबद्ध पद्धति के भीतर  
की या बाहर की हों, का निर्यात एतद्वारा तत्काल से निषेध  
किया जाता है । रेशम की रव्दी के सम्बन्ध में निषेध से  
पहले के मौदों पर आयात-निर्यात क्रियाविधि पुस्तक, 1983-  
84 के पैरा, 226 के अनुसार लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा उन  
सामानों में विचार किया जाएगा जिनमें रेशम की रव्दी का  
संभरण तीन सरकारी स्पन सिल्क-मिलों में से किसी एक को  
श्रृंखलाबद्ध पद्धति के अन्तर्गत निषेध की तिथि से पहले किया  
गया हो और इस सम्बन्ध में लाइसेंस प्राधिकारी को प्रमाण-पत्र  
प्रस्तुत किया गया हो ।

3. सिल्क नायल और नायल झुपिंग्स जो वर्तमान समय में  
खुले सामान्य लाइसेंस-3 के अन्तर्गत हैं—के निर्यात पर प्रस्तुत  
सार्वजनिक सूचना की तिथि से उन मामलों में “पात्रता”  
के आधार पर विचार किया जाएगा जिनमें निर्यातक सरकारी  
स्पन सिल्क मिलों में से किसी एक से उसके संभरण के स्रोत  
को निश्चित करते हुए प्रमाण-पत्र दाखिल करे । लेकिन सिल्क  
नायल और नायल झुपिंग्स के सम्बन्ध में परिवर्तन से पहले की  
समीक्षा पर लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा आयात-निर्यात  
क्रिया-विधि पुस्तक, 1983-84 के पैरा 226 के अनुसार विचार  
किया जाएगा ।

तदनुसार आयात-निर्यात नीति, 1983-84 की जिल्द-2 में  
नीति विवरण में क्रम सं. 62 (3) के सामने वर्तमान प्रविष्टि  
के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की  
जाएगी :—

अनुसूची-1 के भाग “ख” के अनुसार क्रम संख्या	मद का विवरण	लाइसेंस नीति
62 (3)	सिल्क नायल और नायल झुपिंग्स	“पात्रता के आधार पर”

प्र. च. जैन, मुख्य नियंत्रक,  
आयात एवं निर्यात

MINISTRY OF COMMERCE  
EXPORT TRADE CONTROL  
PUBLIC NOTICE NO. 6—ETC(PN)/84

New Delhi, the 23rd February, 1984

Subject :—Export Policy of Silk Waste for the year 1983-84.

F. No. 19/2/84/EL.—Attention is invited to the Export Trade (Control) Amendment Order No. E(C)O, 1977/AM (283) dated the 23rd February, 1984, on the above subject.

2. Export of all varieties of Silk Waste whether within or outside the linking system excluding Silk Noils and Noil Droppings is hereby banned with immediate effect. Pre-ban commitments in respect of Silk Waste would be considered by the licensing authorities in terms of Para 226 of the Hand Book of Import-Export Procedures, 1983-84 in cases where supplies of Silk Waste have been made to any of the three Government Spun Silk Mills under the linking system prior to the date of the ban and certificate to this effect is furnished to the licensing authority.

3. The export of Silk Noils and Noil Droppings which are presently under OGL: 3 shall from the date of issue of this public notice be considered "On Merits" where exporters file certificate from any one of the Government Spun Silk Mills indicating its source of supply. However, prechange comments in respect of Silk Noils and Noil Droppings would be considered by the licensing authorities in terms of Para 226 of the Hand Book of Import-Export Procedures, 1983-84.

Accordingly, the existing entry against S. No. 62(iii) in the Policy Statement in Volume-II of Import and Export Policy 1983-84 shall be substituted by the following :—

S. No. as in Part 'B' of Schedule-I	Description of the Item	Licensing Policy
62(iii)	SILK NOILS & NOIL DROPPING.	"On Merits"

P. C. JAIN, Chief Controller of Imports & Exports.